Living the Lotus

11
2022

VOL. 206

Buddhism in Everyday Life

Founder's Reflections

मेरी अपनी शक्ति से नहीं

रेवरेन्ट निक्क्यो निवानो

जैसा कि आप सभी मेरे साथ मेरा नव्वेवां जन्मदिन मनाते हैं, मुझे वही जापानी अभिव्यक्ति याद आ रही है: “मेरी अपनी शक्ति से नहीं।”

मैं वह व्यक्ति बन गया हूँ जो मैं आज हूँ क्योंकि मैं इस युग में, इस देश में पैदा हुआ था, और शुक्र है कि असंख्य लोगों के साथ मेरे मुठभेड़ों के माध्यम से शक्ति प्राप्त करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है।

और यह केवल लोग नहीं हैं। हमें जीवन मिला है और आस-पास की हर चीज से हमारा जीवन कायम है। जब मैं सोचता हूँ कि मैं इस तरह से हर दिन कैसे रहता हूँ, तो जिससे मिलता हूँ मुझे अपनी हथेलियों को एक साथ सम्मान में मिलाना पड़ता है और मेरे आस-पास की हर चीज के प्रति हमें सम्मान देना होता है।

जब मैं छोटा बच्चा था, मेरे दादाजी मुझे अपनी गोद में बिठाते थे और मुझसे कहते थे, “शिका,” मेरा बचपन का उपनाम शिका था, “बड़े होकर दूसरों का भला करने वाला आदमी बनो।” उस समय मैं वैसा भोला-भाला बच्चा था, फिर भी वास्तव में उन शब्दों के अर्थ को समझ सकता था, लेकिन जैसे-जैसे समय बीतता गया, उन्होंने जो मुझे बताया, उनकी स्मृति का महत्व बढ़ता चला गया। मुझे लगता है कि जब मैंने उन शब्दों को बार-बार सुना, तो वे मुझ में समा गए, इससे पहले कि मैं इसे समझ पाता, उन्होंने मेरे जीवन की दिशा तय कर दी थी।

सच्चे मन से “धन्यवाद” कहने में सक्षम होना कितना भाग्यशाली है! ज़ेन बौद्ध धर्म के सोतो संप्रदाय के संस्थापक भिक्षु दोगेन (1200-1253) ने कहा: “बुद्ध मार्ग का अध्ययन करना स्वयं का अध्ययन करना है। स्वयं का अध्ययन करना स्वयं को भूल जाना है। स्वयं को भूल जाना अस्तित्व में मौजूद हर चीज से साकार होना है।” जब आप दोगेन के शब्दों को समझते हैं, तो केवल एक ही काम करना होता है - अपनी कृतज्ञता व्यक्त करने का अभ्यास करें।

काइसो जुइकान 10 (कोसेइ प्रकाशन, 1997), पीपी. 292-293

रिश्शो कोसेईकाई गृहस्थों की संस्था है जिसका पवित्र ग्रन्थ सद्धर्म पुण्डरीक सूत्र एवं अन्य दो लघु सूत्रों का संकलन है। इस संस्था को संस्थापक निक्क्यो निवानो एवं सह-संस्थापक म्योको नागानुमा ने सन् १९३८ ई० में स्थापित किया था। यह उन साधारण स्त्रियों एवं पुरुषों की संस्था है जिन्हें बुद्ध में श्रद्धाविश्वास है तथा जो बुद्ध के उपदेशों के अनुसार चलते हुए अपने आध्यत्मिक जीवन को समृद्ध बनाते हैं।

प्रेसिडेण्ट का दिशानिर्देश निचिको निवानो, के अन्तर्गत हम देश एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तरों पर अन्य संस्थाओं के साथ मिलकर शान्ति एव कल्याण के लिये तत्पर होकर परोपकार के कार्य में सलग्न हैं।

Living the Lotus
Vol. 206 (November 2022)

Senior Editor: Keiichi Akagawa
Editor: Jigjidkhorloo Gereltuya
Copy Editor: Parmita Shekhar

Living the Lotus is published monthly by Rissho Kosei-kai International, Fumon Media Center, 2-7-1 Wada, Suginami-ku, Tokyo 166-8537, Japan.
TEL: +81-3-5341-1124
FAX: +81-3-5341-1224
Email: living.the.lotus.rk-international@kosei-kai.or.jp

“लिविंग द लोटस्: बुद्धिज्म इन एवरीडे लाइफ” का उद्देश्य यह दर्शाना है कि जैसे सरोवर के कीचड़ से निकलकर कमल खिलता है वैसे ही पुण्डरीक सूत्र की शिक्षा का दैनिक जीवन में अनुशरण के प्रयास से हमारा जीवन समृद्ध बनता है, हमारा जीना सार्थक होता है। इसका संस्करण के माध्यम से दुनियाँ में लोगों के दैनिक जीवन में बौद्धधर्म की शिक्षा को सरल बोधगम्य बनाना है।

हर किसी के सुख के लिए प्रार्थना करने और आशा करने का मन — बुद्धि, भाग 2

निचिको निवानो
प्रेसिडेण्ट, रिश्शो कोसेइ काइ

शून्यता की देशना को स्वीकार करना

लेखक हिसाशी इनोए (1934–2010) ने एक बार कहा था, "मुश्किल चीजों को सरल, सरल चीजों को सार्थक, सार्थक चीजों को दिलचस्प और दिलचस्प चीजों को गंभीर बनाएँ।" यह उनके अनुशासन की अभिव्यक्ति है; वह स्वयं को गद्य लिखने की सलाह देते हैं, जिसे बहुत से लोग समझ सकते हैं। हालाँकि, जब हम बौद्ध विचारों की ओर मुड़ते हैं, तो इसे सरल, सार्थक और दिलचस्प तरीके से व्यक्त करने से ज्यादा कठिन कुछ नहीं हो सकता है।

उदाहरण के लिए, शून्यता की शिक्षा है - इस संसार में किसी भी चीज का एक निश्चित, निरपेक्ष रूप नहीं है और वास्तव में जो कुछ भी मौजूद है वह अस्थायी रूप से सहजीवी सम्बन्धों (कर्म सम्बन्ध) से बना है। पिछले महीने के अंक में मैंने उल्लेख किया था कि शून्यता हमें छह पारमिताओं के ज्ञान को अपना बनाने के बारे में संकेत देती है। तो फिर, हमें शून्यता की इस शिक्षा को कैसे समझना चाहिए और ज्ञान प्राप्त करने के लिए अपने दैनिक जीवन में इसका उपयोग कैसे करना चाहिए?

लेखक सेइकान कोबायाशी (1948-2011) ने बुद्धि के हृदय सूत्र की व्याख्या करते हुए लिखा है कि "'शून्यता' अस्तित्वहीन नहीं है, बल्कि इसके अस्तित्व का कोई लक्षण नहीं होना ही इसकी परिभाषा है।" दूसरे शब्दों में, शून्यता का अर्थ है कि भाग्यशाली या दुर्भाग्यपूर्ण घटना जैसी कोई चीज नहीं है, केवल एक ऐसा मन है जो ऐसा सोचता है। क्योंकि हम घटनाओं के आत्म-केंद्रित लक्षण वर्णन करते हैं और उन्हें अपने निर्णयों से रंगते हैं, वे हमारी चिंता और पीड़ा के बीज बन जाते हैं। तो आइए बिना किसी लक्षण के जो कुछ भी होता है उसे स्वीकार करने का प्रयास करें। ऐसा करने से, हम मन की अधिक शांति के साथ रह सकते हैं - शून्यता की शिक्षा के अनुसार अपना जीवन जीने की बुद्धि वास्तव में अच्छी सलाह है।

पुण्डरीक सूत्र में सिखाए गए "सभी चीजों की अंतिम वास्तविकता" का अर्थ बौद्ध विचारक हिरो सा चिया (1936-2022) द्वारा बहुत ही समझने योग्य भाषा में समझाया गया है: "इस ब्रह्मांड में मौजूद हर चीज में से एक भी अनावश्यक वस्तु नहीं है।," जो शून्यता की शिक्षा के समान दृष्टिकोण है। हालाँकि, वह यह भी कहता है कि हम व्यर्थ विभेद (पूर्वाग्रह) कर रहे हैं, जैसे कि "मकड़ियाँ बुरी हैं और तितलियाँ अच्छी हैं।"

पूर्वाग्रहों और आवश्यक विभेदों के बीच के अंतर को निर्धारित करने के लिए ज्ञान रखते हुए, दृढ़ता से ध्यान में रखते हुए कि बुद्ध का जीवन सभी चीजों में रहता है, और लोगों को इस दृष्टिकोण से देखते हुए कि - हम उन्हें पसंद करते हैं या नहीं - वे सभी के जीवन के अधिकारी बुद्ध हैं, इस तरह से जीने का ज्ञान है जो सभी को सद्भाव और खुशी में सह-अस्तित्व की अनुमति देता है।

करुणा के छह रूप

इस लोक में सारा अस्तित्व शून्य है और साथ ही, बुद्ध का जीवन हर उस चीज में निवास करता है जो अस्तित्व में है। इसका मतलब यह है कि हमें इस अंतर्दृष्टि को महत्व देना चाहिए कि सब कुछ, स्वभाव से, समान मूल्य का है और उस परिप्रेक्ष्य को जिसे हम स्वीकार करते हैं और वास्तविकता द्वारा प्रकट मतभेदों का सम्मान करते हैं। यही बुद्धि है। व्यावहारिक रूप से, किसी भी स्थिति में हमारे पास आत्म-केंद्रित सोच से बचने और सभी लोगों और सभी चीजों का सम्मान करते हुए - हमारे विचारों को इकट्ठा करने और निर्णय लेने के लिए ज्ञान है।

इस वर्ष हमने निचिरेन के जन्म की आठ सौवीं वर्षगाँठ मनाई। उनके आदर्श विश्वदृष्टि की एक अभिव्यक्ति वाक्यांश है, “पूरे ब्रह्मांड में, सब कुछ चमत्कारिक धर्म की शरण लेता है।” हमारे लिए, यह भी एक महत्वपूर्ण सबक है, जो ज्ञान में निहित है। यह न केवल आशा व्यक्त करता है कि सभी लोग पुण्डरीक सूत्र में शरण लेते हैं, इसका अर्थ यह भी है कि सभी चीजें चमत्कारिक धर्म के अनुसार मौजूद हैं। इसलिए, इन शब्दों में संसार भर के लोगों की खुशी के लिए प्रार्थना और आशा है, जो अनंत कर्म सम्बन्धों से जुड़े हुए हैं।

निचिरेन ने यह भी कहा, “यदि आप अपनी खुशी चाहते हैं, तो पहले अपने आसपास के लोगों की और संसार में शांति के लिए प्रार्थना करें।” जब आप चीजों को ज्ञान की नजर से देखते हैं, तो प्रत्येक व्यक्ति सम्मान के योग्य प्रतीत होता है, आपका हृदय करुणा से भर जाता है, जो आशा करता है कि सभी को खुशी हो सकती है, और आप दूसरों को लाभ पहुँचाने वाले कार्यों को करने से स्वयं को रोक नहीं सकते हैं।

मैं छ: पारमिताओं की शिक्षा की व्याख्या करता हूँ - जिनमें छठी पारमिता प्रज्ञा भी है - करुणा के पहलुओं को छह रूपों में विभाजित करना है। यह स्पष्ट है कि निश्चित रूप से, पहली परमिता दान के साथ है। इसके अलावा, अपने आप को यह बताकर कि “अब शीलों और दृढ़ता का अभ्यास करने का समय है” अपने स्वयं के मन पर नियंत्रण रखना और साथ ही कृतज्ञता की भावना के साथ प्रत्येक दिन गुजारना, दूसरों को लाभान्वित करने के अभ्यास से जुड़ा होना है, जो सभी के लिए सम विचार दिखाता है। ऐसा करने से, हम स्वाभाविक रूप से “स्वयं को प्रकाश बनाने और धर्म को अपना प्रकाश बनाने” के जीवन का अनुसरण कर सकते हैं।

From *Kosei*, November 2022.

कॉमिक्स के माध्यम से रिश्शो कोसेइ काइ का परिचय

शाक्यमुनि बुद्ध का जीवनकाल और बौद्ध धर्म की देशनाएँ

सभी चीजें अनित्य हैं

अनित्यता का सत्य यह सिखाता है कि हमारा मन, और इस संसार की सभी चीजें एक पल के लिए भी एक जैसी नहीं रहतीं हैं; वे निरंतर परिवर्तन की स्थिति में हैं।

जैसे-जैसे हम बड़े होते हैं, हमारा शरीर बड़ा होता जाता है और हमारा वजन बढ़ता जाता है। हमारे मन की स्थिति दिन-प्रतिदिन भिन्न होती है। कभी-कभी, हम जो एक बार प्लान करते हैं, वह सफल नहीं भी होता है। इसलिए, यह महत्वपूर्ण है कि किसी एक मामले पर झल्लाहट न करें, बल्कि यह जान लें कि सब कुछ बदल जाता है और स्वयं को बेहतर बनाने के लिए मेहनती होना चाहिए-यही अनित्यता का सत्य सिखाता है।

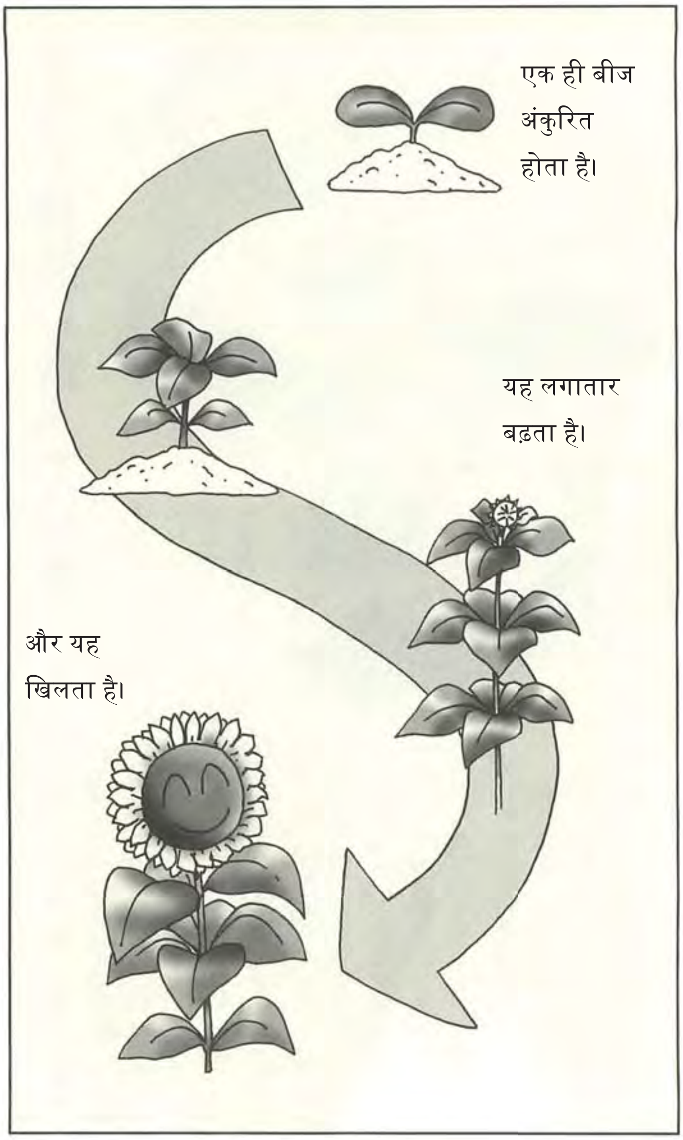

क्या तुम्हें पता है?

तीन महान सत्य, “सभी चीजें अनित्य हैं,” “सभी अनात्म हैं,” और “निर्वाण शांति है,” सामूहिक रूप से धर्म की तीन मुहरों के रूप में जाने जाते हैं, और वे बौद्ध धर्म की मूलभूत शिक्षाएँ हैं। बौद्ध धर्म सिखाता है कि जब हम धर्म की इन तीन मुहरों को सही ढंग से समझ लेते हैं तो हम दुखों से मुक्त हो सकते हैं।

* इस सामग्री का कोई भी पुनरुत्पादन या पुनर्प्रकाशन व्यक्तिगत, गैर-व्यावसायिक और सूचनात्मक उपयोग के लिए पुनरुत्पादन के अलावा निषिद्ध है।

सभी चीजें आपस में सम्बद्ध हैं

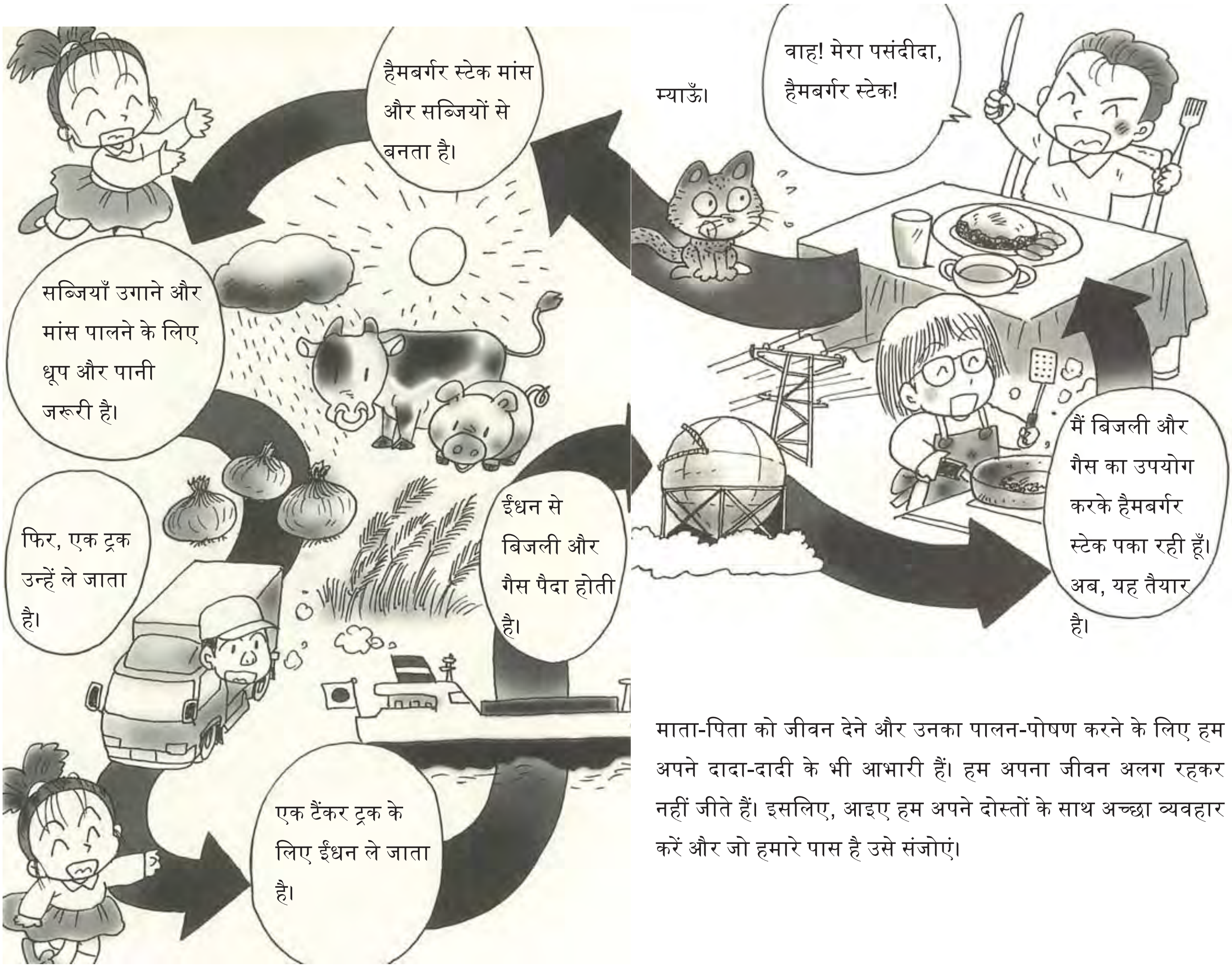

माता-पिता को जीवन देने और उनका पालन-पोषण करने के लिए हम अपने दादा-दादी के भी आभारी हैं। हम अपना जीवन अलग रहकर नहीं जीते हैं। इसलिए, आइए हम अपने दोस्तों के साथ अच्छा व्यवहार करें और जो हमारे पास है उसे संजोएं।

सभी चीजें अनात्म हैं, यह सिखाती हैं कि इस संसार में सभी चीजें परस्पर जुड़ी हुई हैं, और ऐसा कुछ भी नहीं है जो अपने आप अस्तित्व में है, पूरी तरह से स्वतंत्र और अन्य सभी चीजों से अलग है।

प्रकृति के आशीर्वाद के बिना और भोजन के उत्पादन में शामिल सभी लोगों के बिना हम अपने पसंदीदा हैमबर्गर स्टेक नहीं खा सकते हैं - जो पशुधन (गायों और सूअर) को पालते हैं, सब्जियाँ उगाते हैं और उनका व्यापार करते हैं।

हमें जीवन देने के लिए हम अपने माता-पिता के आभारी हैं। अपने

क्या तुम्हें पता है?

स्वयं ही यह शिक्षा है कि सभी चीजें अनात्म हैं। इसका मतलब है कि हमारे अंदर कोई भी स्थायी पदार्थ नहीं है जो अपने आप में अस्तित्व में है। हम इस अवधारणा से सीख सकते हैं कि हम चीजों को उस तरह से नियंत्रित नहीं कर सकते जिस तरह से हम चाहते हैं; यह हमें चीजों के प्रति अपने लगाव को त्यागना सिखाता है। इससे हमें मन की शांतिपूर्ण स्थिति प्राप्त करने में मदद मिलेगी।

Director’s Column

पुण्डरीक सूत्र की देशना का कोई निश्चित परिपेक्ष्य नहीं है

रेवरेन्ट केइइची आकागावा
निदेशक, रिश्शो कोसेइ काइ इन्टरनेशनल

पुण्डरीक सूत्र के सभी जीवित पाठकों को नमस्कार। इस महीने का मेरा स्तम्भ पढ़ने के लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। अक्टूबर में, हमने रिश्शो कोसेइ काइ अंतरराष्ट्रीय के आधिकारिक फेसबुक और ट्विटर अकाउंट पर इस स्तम्भ का परिचयात्मक वीडियो अपलोड करना शुरू किया है। मुझे आशा है कि आप उन्हें देखेंगे और इस स्तत्भ के साथ उनका आनन्द लेगें।

पिछले महीने से जारी रखते हुए, प्रेसिडेण्ट निचिको निवानो छह पारमिताओं में से अंतिम पारमिता को स्पष्ट करते हैं। विशेष रूप से उन्होंने सरलता से समझने योग्य तरीके से समझाया है, जिससे हम समझें कि शून्यता की शिक्षा को क्यों स्वीकार करना चाहिए।

प्रेसिडेण्ट का संदेश पढ़कर मुझे एक कहानी याद आयी, जिसे पूर्व सचिव ने प्रेसिडेण्ट से कहते सुना था । एक दिन सचिव ने प्रेसिडेण्ट पूछा, “आप पुण्डरीक सूत्र का संक्षेप में वर्णन कैसे करेंगे?” तत्क्षण प्रेसिडेण्ट ने उत्तर दिया, “पुण्डरीक सूत्र एक ऐसी देशना है, जिसका कोई निश्चित उदेश्य नहीं है।”

पुण्डरीक सूत्र हमें चीजों को एक दूसरे से ऊपर रखना नहीं सिखाता है, न ही “अच्छे” और “बुरे” के बीच न्याय करना सिखाता है। यह हमें सिखाता है कि हमें अपने आत्म-केंद्रित दृष्टिकोणों से प्रभावित हुए बिना चीजों को वैसे ही स्वीकार करना चाहिए जैसे वे हैं और उन्हें समान रूप से महत्व देना चाहिए। मुझे लगता है कि प्रेसिडेण्ट निवानो ने पुण्डरीक सूत्र के इन पहलुओं को “बिना किसी निश्चित परिपेक्ष्य में” व्यक्त किया है।

मुझे आशा है कि हम एक साथ शून्यता के मन के बारे में अध्ययन करेंगे सीखेंगे और एक ऐसे जीवन के प्रति अपना परिश्रम जारी रखेंगे, जो हमें और दूसरों को लाभ पहुँचाए।

Facebook

Twitter

We welcome comments on our newsletter Living the Lotus: living.the.lotus.rk-international@kosei-kai.or.jp

Rissho Kosei-kai: A Global Buddhist Movement

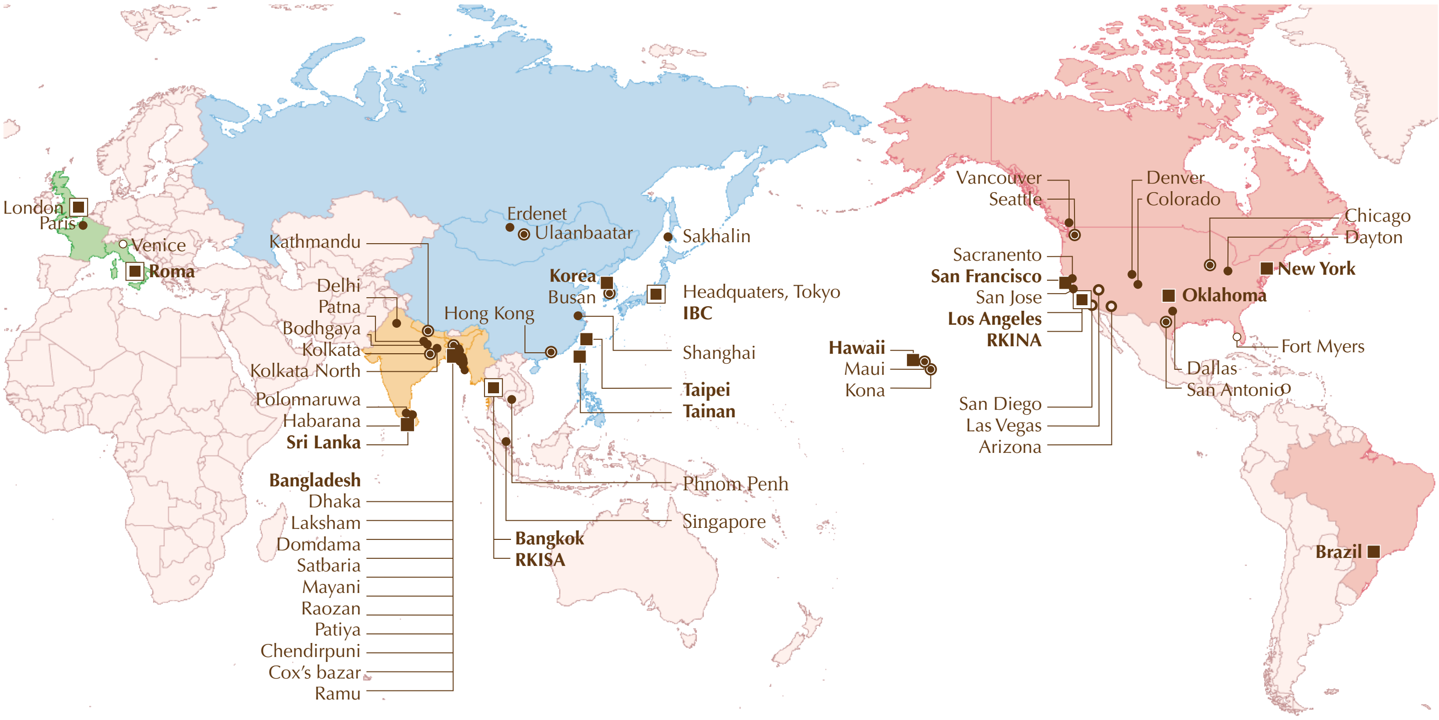

Rissho Kosei-kai Buddhist Church of Hawaii
2280 Auhuhu Street, Pearl City, HI 96782, USA
TEL: 1-808-455-3212 FAX: 1-808-455-4633
Email: sangha@rkhawaii.org URL: https://rkhawaii.org

Rissho Kosei-kai Maui Dharma Center
1809 Nani Street, Wailuku, HI 96793, USA
TEL: 1-808-242-6175 FAX: 1-808-244-4625

Rissho Kosei-kai Kona Dharma Center
73-4592 Mamalahoa Highway, Kailua-Kona, HI 96740, USA
TEL: 1-808-325-0015 FAX: 1-808-333-5537

Rissho Kosei-kai Buddhist Center of Los Angeles
2707 East First Street, Los Angeles, CA 90033, USA
TEL: 1-323-269-4741 FAX: 1-323-269-4567
Email: info@rk-la.org URL: https://www.rk-la.org

Please contact Rissho Kosei-kai Buddhist Center of Los Angeles
Rissho Kosei-kai Buddhist Center of Arizona
Rissho Kosei-kai Buddhist Center of Colorado
Rissho Kosei-kai Buddhist Center of San Diego
Rissho Kosei-kai Buddhist Center of Las Vegas
Rissho Kosei-kai Buddhist Center of Dallas

Rissho Kosei-kai of San Francisco
(Address) 1031 Valencia Way, Pacifica, CA 94044, USA
(Mail) POBox 778, Pacifica, CA 94044, USA
TEL: 1-650-359-6951 Email: lotusbuddhist@gmail.com
URL: https://sf-buddhism.org

Please contact Rissho Kosei-kai of San Francisco
Rissho Kosei-kai of Sacramento

Rissho Kosei-kai of New York
320 East 39th Street, New York, NY 10016, USA
TEL: 1-212-867-5677 Email: rkny39@gmail.com URL: https://rk-ny.org

Rissho Kosei-kai of Chicago
1 West Euclid Ave., Mt. Prospect, IL 60056, USA
TEL: 1-773-842-5654
Email: rkchicago@rkchi.org URL: http://rkchi.org

Rissho Kosei-kai of Fort Myers
Email: rkftmyersbuddhism@gmail.com URL: https://rkftmyersbuddhism.org

Rissho Kosei-kai Dharma Center of Oklahoma
(Address) 2745 N.W. 40th St., Oklahoma City, OK 73112, USA
(Mail) POBox 57138, Oklahoma City, OK 73157, USA
TEL: 1-405-943-5030 FAX: 1-405-943-5303
Email: dharmacenter@rkok-dharmacenter.org
URL: https://rkok-dharmacenter.org

Rissho Kosei-kai Dharma Center of Denver
1255 Galapago St. #809, Denver, CO 80204, USA
TEL: 1-303-446-0792

Rissho Kosei-kai Dharma Center of Dayton
617 Kling Drive, Dayton, OH 45419, USA
URL: http://www.rkina-dayton.com

The Buddhist Center Rissho Kosei-kai International of North America (RKINA)
2707 East First St., Suite #1, Los Angeles, CA 90033, USA
TEL: 1-323-262-4430 FAX: 1-323-269-4567
Email: info@rkina.org
URL: https://www.buddhistcenter-rkina.org

Rissho Kosei-kai Buddhist Center of San Antonio
(Address) 6083 Babcock Road, San Antonio, TX 78240, USA
(Mail) POBox 692148, San Antonio, TX 78249, USA
TEL: 1-210-558-4430 FAX: 1-210-696-7745
Email: dharmasa@rksabuddhistcenter.org
URL: https://rksabuddhistcenter.org

Rissho Kosei-kai of Seattle
28621 Pacific Highway South, Federal Way, WA 98003, USA
TEL: 1-253-945-0024 Email: rkseattlewashington@gmail.com
URL: https://www.buddhistlearningcenter.org

Rissho Kosei-kai of Vancouver
Please contact RKINA

Risho Kossei-kai do Brasil
Rua Dr. José Estefno 40, Vila Mariana, São Paulo-SP, CEP 04116-060, Brasil
TEL: 55-11-5549-4446, 55-11-5573-8377
Email: risho@rkk.org.br URL: http://rkk.org.br
Facebook: https://www.facebook.com/rishokosseikaidobrasil
Instagram: https://www.instagram.com/rkkbrasil

在家佛教韓国立正佼成会　Korean Rissho Kosei-kai
〒 04420 大韓民国 SEOUL 特別市龍山區漢南大路 8 路 6-3
6-3, 8 gil Hannamdaero Yongsan gu, Seoul, 04420, Republic of Korea
TEL: 82-2-796-5571　FAX: 82-2-796-1696

在家佛教韓国立正佼成会釜山支部
Korean Rissho Kosei-kai of Busan
〒 48460 大韓民国釜山廣域市南區水營路 174, 3F
3F, 174 Suyoung ro, Nam gu, Busan, 48460, Republic of Korea
TEL: 82-51-643-5571　FAX: 82-51-643-5572

社團法人在家佛教立正佼成會　Rissho Kosei-kai of Taipei
台湾台北市中正區衡陽路 10 號富群資訊大厦 4 樓
4F, No. 10, Hengyang Road, Jhongjheng District, Taipei City 100, Taiwan
TEL: 886-2-2381-1632, 886-2-2381-1633　FAX: 886-2-2331-3433

台南市在家佛教立正佼成會　Rissho Kosei-kai of Tainan
台湾台南市東區崇明 23 街 45 號
No. 45, Chongming 23rd Street, East District, Tainan City 701, Taiwan
TEL: 886-6-289-1478　FAX: 886-6-289-1488
Email: koseikaitainan@gmail.com

Rissho Kosei-kai South Asia Division
Thai Rissho Friendship Foundation
201 Soi 15/1, Praram 9 Road, Bangkapi, Huaykhwang, Bangkok 10310, Thailand
TEL: 66-2-716-8141

Rissho Kosei-kai of Kathmandu
Ward No. 3, Jhamsikhel, Sanepa-1, Lalitpur, Kathmandu, Nepal

Rissho Kosei-kai Society of Kolkata
89 Srirampur Road (VIP), Garia, Kolkata 700084, India

Rissho Kosei-kai of Kolkata North
AE/D/12 Arjunpur East, Teghoria, Kolkata 700059,
West Bengal, India

Rissho Kosei-kai of Bodhgaya
Ambedkar Nagar, West Police Line Road, Rampur, Gaya-823001,
Bihar, India

Rissho Kosei-kai of Patna
Please contact Rissho Kosei-kai Society of Kolkata

Rissho Kosei-kai of Delhi
77 Basement D.D.A. Site No. 1, New Rajinder Nagar,
New Delhi 110060, India

Rissho Kosei-kai of Singapore
Please contact Rissho Kosei-kai International

Rissho Kosei-kai of Phnom Penh
W.C. 73, Toul Sampaov Village, Sangkat Toul Sangke, Khan Reouseykeo,
Phnom Penh, Cambodia

Rissho Kosei-kai International of South Asia (RKISA)
Thai Rissho Friendship Foundation
201 Soi 15/1, Praram 9 Road, Bangkapi, Huaykhwang, Bangkok 10310, Thailand
TEL: 66-2-716-8141

Rissho Kosei-kai of Bangkok
Thai Rissho Friendship Foundation
201 Soi 15/1, Praram 9 Road, Bangkapi, Huaykhwang, Bangkok 10310, Thailand
TEL: 66-2-716-8216　Email: info.thairissho@gmail.com

Rissho Kosei Dhamma Foundation
No. 628-A, Station Road, Hunupitiya, Wattala, Sri Lanka
TEL: 94-11-2982406　FAX: 94-11-2982405

Rissho Kosei-kai of Polonnaruwa
Please contact Rissho Kosei Dhamma Foundation

Rissho Kosei-kai Bangladesh
85/A Chanmari Road, Lalkhan Bazar, Chittagong, Bangladesh
TEL: 880-2-41360470

Rissho Kosei-kai Mayani
Mayani Barua Para, Mirsarai, Chittagong, Bangladesh

Rissho Kosei-kai Damdama
Damdama Barua Para, Mirsarai, Chittagong, Bangladesh

Rissho Kosei-kai Satbaria
Village: Satbaria Bepari Para, Chandanaih, Chittagong, Bangladesh

Rissho Kosei-kai Chendhirpuni
Village: Chendhirpuni, P.O.: Adhunogar, P.S.: Lohagara, Chittagong,
Bangladesh

Rissho Kosei-kai Raozan
Dakkhin Para, Ramzan Ali Hat, Raozan, Chittagong, Bangladesh

Rissho Kosei-kai Laksham
Village: Dhupchor, Laksham, Comilla, Bangladesh

Rissho Kosei-kai Dhaka North
Bashundhara R/A, Dhaka, Bangladesh

Rissho Kosei-kai Cox's Bazar
Ume Burmize Market, Tekpara, Sadar, Cox's Bazar, Bangladesh

Please contact Rissho Kosei-kai Bangladesh
Rissho Kosei-kai Patiya
Rissho Kosei-kai Ramu
Rissho Kosei-kai Aburkhil

Buddiyskiy khram "Lotos"
4 Gruzinski Alley, Yuzhno-Sakhalinsk 693005, Russia
TEL: 7-4242-77-05-14

Rissho Kosei-kai of Hong Kong
Flat D, 5/F, Kiu Hing Mansion, 14 King's Road, North Point, Hong Kong, China

Rissho Kosei-kai Friends in Shanghai
Please contact Rissho Kosei-kai International

Rissho Kosei-kai of Ulaanbaatar
(Address) 15F Express Tower, Peace avenue, khoroo-1, Chingeltei district,
Ulaanbaatar 15160, Mongolia
(Mail) POBox 1364, Ulaanbaatar-15160, Mongolia
TEL: 976-70006960　Email: rkkmongolia@yahoo.co.jp

Rissho Kosei-kai of Erdenet
Please contact Rissho Kosei-kai International

Rissho Kosei-kai di Roma
Via Torino, 29, 00184 Roma, Italia
TEL/FAX: 39-06-48913949　Email: roma@rk-euro.org

Please contact Rissho Kosei-kai di Roma
Rissho Kosei-kai di Venezia
Rissho Kosei-kai of Paris

Rissho Kosei-kai of the UK
29 Ashbourne Road, London W5 3ED, UK
TEL: 44-20-8933-3247　Email: info@rkuk.org　URL: https://www.rkuk.org
Facebook: https://www.facebook.com/rkuk.official
Twitter: https://twitter.com/rkuk_official
Instagram: https://www.instagram.com/rkuk_official
YouTube: ttps://www.youtube.com/c/rkuk_official

Rissho Kosei-kai International Buddhist Congregation (IBC)
〒 166-8537 東京都杉並区和田 2-7-1 普門メディアセンター 3F
Fumon Media Center 3F, 2-7-1 Wada, Suginami-ku, Tokyo 166-8537, Japan
TEL: 03-5341-1230　FAX: 03-5341-1224　URL: https://www.ibc-rk.org

Published by Rissho Kosei-kai International